I.D.C - Part - 3rd Paper - VI

Dr. Reshma Sultana
Assistant Professor
Dept of Philosophy
Vaishali Mahila College B.R.A.B.U

Topic → शक्ति की सामान्य विशेषताएँ continue

i) शक्ति और अधीनता में भेद करना सरल है। शक्ति एक समाजशास्त्रीय अवधारणा है पर अधीनता एक मनोवैज्ञानिक अवधारणा। अधीनता का केन्द्र-बिन्दु व्यक्ति है और यह अन्तर वैयक्तिक सम्बन्धों में व्यक्त होता है, शक्ति का केन्द्र-बिन्दु समितियों का संगठन है जो अन्तर सामूहिक ~~सम्ब~~ सम्बन्धों में व्यक्त होता है।

शक्ति का स्रोत :-

i) व्यक्तियों की संख्या

ii) सामाजिक संगठन

iii) साधन

कई विद्वानों ने शक्ति के स्रोतों को दो वर्गों में रखा है —

i) आन्तरिक स्रोत, जैसे — आत्मज्ञान, सम्मान, चरित्र इत्यादि और

ii) बाह्य स्रोत जैसे — भौतिक वस्तुएँ, स्वामित्व, संगठन, ~~3~~ अधिकार आदि।

Scanned by TapScanner

Futuremate DATE

शक्ति का आन्तरिक स्रोत वास्तविक तथा टिकाऊ होता है। नैतिक दृष्टि से भी यह उचित है। पर यदि बाह्य बल के आधार पर अन्य लोगों पर प्रभाव डाला जाता है तो टिकाऊ नहीं होता। यह हिंसा का रूप लेता है और अपेक्षाकृत अधिक बल प्रयोग से प्रभाव समाप्त कर दिया जाता है। दण्ड के डर से यदि कोई कार्य किया जाए तो उसे नैतिक दृष्टि से उचित भी नहीं कहा जा सकता

= × =

Scanned by TapScanner